Rohtas Mahila College, Sasaram, 15-05-20, Friday.
Dr. Aman Murmu, Dept of psychology, B.A. part II (H)
Pr-III Gr-B, 2019-20

प्रश्न! (माध्यिका के गुण एवं दोषों का वर्णन करें - Topic)

उत्तर: (i) माध्यिका के एक गुण यह है कि इसके आधार पर किसी वितरण के वास्तविक मध्यबिन्दु को निर्धारित करना सम्भव होता है। अतः जब कभी किसी वितरण के मध्यबिन्दु बिन्दु को को निर्धारित करना होता है, तो माध्यिका निकालने की आवश्यकता होती है।

(ii) मुक्तान्त वितरण की केन्द्रीय प्रवृत्ति को निर्धारित करने का सबसे उपयोगी तरीका माध्यिका है।

(iii) माध्यिका से इस बात की जानकारी हो जाती है कि कौन सा प्राप्तांक केन्द्रीय प्रवृत्ति को प्रभावित करता है और उसका स्थान क्या है।

(iv) माध्यिका ही एक ऐसा औसत (Average) जिसका उपयोग गुणात्मक विशेषताओं के मापन के लिए किया जा सकता है। जैसे- औसत बुद्धि, औसत सुन्दरता आदि का पता लगाना।

माध्यिका के दोष (Defects of the median)

(i) असमूहित आंकड़ा के लिए जब निरीक्षणों या प्राप्तांकों की संख्या समांक (even number) हो तो वास्तविक माध्यिका निकालना संभव नहीं हो पाता है। कारण, मध्य के दो प्राप्तांकों का औसत निकाल देने पर वास्तविक माध्यिका प्राप्त नहीं हो पाती है। उन दो प्राप्तांकों के बीच कोई भी मूल्य माध्यिका हो सकती है।

(ii) चूँकि माध्यिका स्थितीय औसत (Positional average) है, इसलिए यह वितरण के प्रत्येक एकांश (Item) पर आधारित नहीं होता है।

(iii) जिस तरह मध्य (mean) इससे अधिक गणितीय निरूपण में सहायक होता है, उस तरह माध्यिका (Median) सहायक नहीं होती है। यदि दो समूहों के आकार (sizes) तथा माध्यिका मूल्य ज्ञात

Scanned with CamScanner

ज्ञात हो तो इसके आध्यय या सम्मिलित समूह की माध्यिका परिकलन संभव नहीं है। लेकिन माध्य के साथ यह कठिनाई नहीं है।

(iv) माध्य (mean) की तुलना में माध्यिका (median) में स्थिरता (stability) कम पायी जाती है।

(v) विशेष रूप से छोटे प्रतिदर्शों (small samples) की परिस्थिति में माध्य की तुलना में माध्यिका पर प्रतिदर्श के चढ़ाव बढ़ाव का प्रभाव अधिक पड़ता है।

Scanned with CamScanner